हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 20 अप्रैल 2025

तापमान
अधिकतम 43.7 डिग्री
न्यूनतम 18.1 डिग्री

10 नेशनल लेवल जिमनास्टिक चैंपियनशिप में जीते 6 स्वर्ण

11 भाईचारे और संस्कृति के लिए जाना जाने वाला हरियाणा का युवा नशे...

निजी रेस्त्रां में लोहे का बोर्ड उतारते करंट की चपेट में आया युवक, मौत

■ कई दिनों से दोस्त के पास रेस्त्रां पर आया हुआ था युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में निजी रेस्त्रां में लोहे का बोर्ड उतारते समय युवक को करंट लग गया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

खुंभा हिसार निवासी वजीर ने बताया कि उसका बेटा आशु (23) कई दिनों पहले अपने दोस्त आशीष के पास सोनीपत आया हुआ था। उसके दोस्त ने हाल ही में आईटीआई-बहालगढ़ रोड पर रेस्त्रां किराए पर लिया था। जिस पर मरम्मत का काम चल रहा था। रात करीब डेढ़ बजे रेस्त्रां के सामने वाले गेट पर लगा लोहे का बोर्ड उतारते समय उसके सामने से गुजर रही बिजली की लाइन में बोर्ड टच हो गया। जिसके चलते आशु करंट की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले को लेकर पुलिस को सूचना दी। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर अस्पताल में भिजवाया। जांच अधिकारी प्रवीण ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। ।

एक साल की बच्ची के सिर से उठा पिता का साया

अस्पताल में शव लेने पहुंचे परिजनों ने बताया कि आशु की शादी करीब दो साल पहले ही हुई थी। उसके पास एक साल की बेटी है। घर पर आशु की मौत का पता चलने पर परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव में मातम का माहौल है।

किशोरी से गैंगरेप के चार दोषियों को 20-20 साल कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

खरखौदा थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने व जान से मारने की धमकी देने की वारदात में शामिल चार आरोपितों को अदालत ने दोषी करार दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र की अदालत ने चारों दोषियों को चिल्ड्रन इन कॉन्फिलिक्ट विद लॉ (सीसीएल) के तहत 20-20 साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषियों पर 56-56 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। प्रत्येक की जुर्माना राशि में से 40 हजार रुपये पीड़िता को देने के आदेश अदालत ने दिए हैं। खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने 2 अप्रैल, 2023 को पुलिस को बताया था कि उनकी नाबालिग बेटी 12वीं कक्षा में पढ़ती थी। उनकी बेटी को 31 मार्च, 2023 को उनके गांव में रहने वाला लड़का किताब दिलाने के बहाने खरखौदा में अपने दोस्त घर ले गया था। वहां पर आरोपी ने उनकी बेटी के साथ जबरन गलत काम किया था। उसके दोस्त ने भी बेटी से सामूहिक दुष्कर्म किया था। फिर आरोपितों ने अपने एक अन्य दोस्त को बुला लिया था। आरोपितों ने बेटी को धमकी दी थी कि इस उन्होंने वीडियो बना लिया है। अगर किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर देंगे। आरोपितों ने उनकी बेटी पर दबाव बनाकर 40 हजार रुपये देने की मांग की थी। साथ ही कहा था कि किसी को बताने पर परिवार को जान से मार देंगे। घटना के बाद बेटी घबरा गई थी। जिसके चलते किसी को कुछ नहीं बताया था। एक दिन बाद रात को बेटी ने मामले से उन्हें अवगत कराया था। जिस पर 2 अप्रैल, 2023 को पुलिस को शिकायत दी गई थी। सभी नाबालिग थे। हालांकि अदालत ने उन्हें बालिग मानकर सुनवाई की। मामले में पांचवें आरोपित की सजा पर जल्द फैसला होगा।

शराब पीने से मना किया तो मारपीट की

गोहाना। गांव रभड़ा में शराब पीने से मना करने पर युवक को दो लोगों ने पीट दिया। आरोपित उसे जबरन शराब पिलाने की कोशिश कर रहे थे। उसे नागरिक अस्पताल गोहाना से महिला मेडिकल कालेज लिए रेफर किया गया। सदर थाना में केस दर्ज किया गया। सोमबीर ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर पर मौजूद था। देर शाम को नान्हा व विक्की उसके घर पहुंचे। दोनों उसे जबरन शराब पिलाने लगे। उसने मना किया तो मारपीट की। नान्ना ने उसके पैर पर शीशे का गिलास मारा वे दोनों धमकी देकर भाग गए।

खबर संक्षेप

जिला कारागार में 25 से लगेगा जांच शिविर

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आगामी 25 और 28 अप्रैल को सुबह साढ़े नौ बजे जिला कारागार में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि 25 अप्रैल को आयुष विभाग और 28 अप्रैल को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बंदियों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की जाएगी।

जाखोदा में लीगल सर्विस कैंप 28 को

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जाखोदा गांव में आगामी 28 अप्रैल को सुबह नो बजे लीगल सर्विस कैंप का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि गांव जाखोदा में लीगल सर्विस कैंप में परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड, बिजली, रेवेन्यू, पानी, पेंशन आदि मामलों का समाधान किया जाएगा।

चोरी करने मामले में एक अन्य आरोपी काबू

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा निर्माणाधीन मकान से चोरी करने मामले में कार्रवाई करते हुए एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी दुलीना प्रभारी रीना ने बताया कि आजाद निवासी दादरी तोए की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान झाबर सिंह निवासी नलखेड़ा गुरुग्राम के तौर पर की गई है।

अखबार विक्रेता का मोबाइल ले गया शातिर

झज्जर। शहर के भगत सिंह चौक पर शनिवार की सुबह एक व्यक्ति एक अखबार विक्रेता का मोबाइल लेकर चपंत हो गया। पुलिस को दी शिकायत में अखबार वितरण का कार्य करने वाले मनोज भाटिया ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे जब वह अपने काम से भगत सिंह पर एक जूस की दुकान पर खड़ा था तो उससे एक व्यक्ति ने किसी से कॉल करने के लिए उससे फोन मांगा।

एशियन चैंपियनशिप में हिमांशु ने जीता स्वर्ण

झज्जर। एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास के पूर्व छात्र हिमांशु जाखड़ ने सऊदी अरब के दम्मम में आयोजित एशियन अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 67.57 मीटर भाला फेंककर भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा है। एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि हिमांशु ने इस प्रतियोगिता में अद्भुत प्रदर्शन कर भारत का मान बढ़ाया है। इससे पहले भी हिमांशु ने नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।

तीन आढ़तियों पर तीन-तीन दिन के लिए लाइसेंस सस्पेंड करने का फरमान

खराब गेहूं को बिके हुए गेहूं में मिलाने के मामले में दस आढ़तियों के खिलाफ एक्शन

10 आढ़तियों को नोटिस जारी किए गए और नोटिस के बाद उनसे जवाब मांगा गया। जवाब से विभाग मार्केट कमेटी संतुष्ट नहीं हुआ तो 10 के 10 आढ़तियों पर कार्रवाई की गई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

खरखौदा। कार्रवाई करते हुए मार्केट कमेटी सचिव सुरेश खोखर। फोटो : हरिभूमि

शुक्रवार को हुई बारिश के बाद जो गेहूं खराब हुआ और जो गेहूं पहले बिक चुका था। खराब गेहूं को बिके हुए गेहूं में मिलाने का मामला प्रकाश में आया है। जिसकी शिकायत खाद आपूर्ति विभाग सचिव प्रवेश दहिया ने मार्केट कमेटी को दी। जिसके बाद पर 10 आढ़तियों को नोटिस जारी किए गए और नोटिस के बाद उनसे जवाब मांगा गया।

जवाब से विभाग मार्केट कमेटी संतुष्ट नहीं हुआ तो 10 के 10 आढ़तियों पर कार्रवाई की गई। जिसमें तीन आढ़तियों पर तीन-तीन दिन के लिए उनका लाइसेंस सस्पेंड करने का फरमान सुनाया गया है। जबकि बाकी जो पर जुर्माना राशि लगाई गई है ताकि भविष्य में इस तरह की हरकत कोई भी आढ़ती ना करें। आढ़तियों का इसमें दोष यह है कि बारिश में गेहूं उनके सामने पड़ा था वह बह गया और बहे हुए गेहूं को उन्होंने इकट्ठा करके ढेरी में मिला दिया। आढ़तियों पर आरोप है कि इस मामले की शिकायत आने के बाद एक टीम गठित की गई। जिसमें जांच के लिए मंडी सुपरवाइजर संदीप कुमार, अमित कुमार ,खाद्य आपूर्ति विभाग से देवेंद्र दहिया, विनीत दहिया की मौजूदगी में एक कमेटी बनी। जिसमें मार्केट कमेटी के सचिव सुरेश खोखर भी शामिल रहे। जांच में पाया गया कि वाकई खरीदी गई ढेरी में खराब गेहूं को मिलाया गया था। किसी ने थोड़ा किसी ने ज्यादा इस तरह की जांच सामने आने के बाद सभी 10 आढ़तियों को नोटिस जारी किए गए और उनसे जवाब मांगा गया है। जवाब से संतुष्ट नहीं हुए तो उन पर जुर्माना लगाया गया। तीन आढ़तियों पर 3 दिन के लिए उनका लाइसेंस सस्पेंड करने का आदेश जारी किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर इसके बाद वह बाज नहीं आए तो उनके लाइसेंस को ज्यादा समय के लिए भी सस्पेंड किया जा सकता है। इसकी शिकायत जिला उपायुक्त तक की गई थी जिसके बाद प्रशासन ने सख्ती से कार्रवाई शुरू की और आढ़तियों पर जुर्माना लगाया गया।

इन आढ़तियों पर हुई कारवाई

जिन आढ़तियों को नोटिस जारी किए गए हैं और उन पर कार्रवाई हुई है। उसमें जोहरीमल मोतीराम तोमर ट्रेडिंग कंपनी, ओजस्वी ट्रेडिंग कंपनी, सूबेदार ट्रेडिंग कंपनी, मूलचंद, चंद्रभान, अनिल देशवाल, प्रेम कुमार, जीनल ट्रेडिंग कंपनी, शमशेर ट्रेडिंग कंपनी, चंद्रभान ट्रेडिंग कंपनी इन फर्मों पर एक्शन हुआ है।

आढ़तियों पर कार्रवाई की

मार्केट कमेटी सचिव सुरेश कुमार खोखर का कहना है कि एक शिकायत खाद आपूर्ति विभाग की तरफ से प्रशासन को मिली थी जिसमें कहा गया था कि जो गेहूं खाद्य आपूर्ति विभाग खरीद चुका है। गेहूं खरीदे जाने के बाद कुछ आढ़तियों ने उस गेहूं में मिलावट कर दी है, जो वेयरहाउस में जमा करने लायक नहीं है। इसके तुरंत बाद कार्रवाई करते हुए आढ़तियों पर कार्रवाई की गई है। हालांकि आढ़तियों ने अपने जवाब में कहा कि उन्होंने कोई मिलावट नहीं की है जो बारिश हुई थी बारिश के कारण जो गेहूं बह गया था वह गेहूं उन्होंने झाड़ से ऊपर सरकाया था। वह उसी को मिलावट मान रहे हैं। जबकि उनकी मिलावट करने की कोई मंशा नहीं थी, फिर भी उन पर एक्शन लिया गया है।

सोनीपत। विजेता विद्यार्थियों के साथ प्राचार्या एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

नेशनल लेवल जिमनास्टिक चैंपियनशिप में जीते 6 स्वर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गुरुग्राम में 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक आयोजित नेशनल लेवल जिमनास्टिक चैंपियनशिप में लिटल एंजल्स स्कूल, सोनीपत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस चैंपियनशिप में लिटल एंजल्स स्कूल के खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण पदक (अक्षिता, नव्या, डैलिशा, गौरव, रोनित, शानवी) व 1 कांस्य पदक (तरूषी) जीतकर अपने विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया। सभी विजेता खिलाड़ियों के अभिभावक बहुत खुश थे उन्होंने इस जीत का श्रेय विद्यालय प्रशासन को दिया। विद्यालय के प्रांगण में सभी विजेता खिलाड़ियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। विद्यालय के चेयरमैन तरसेम कुमार गर्ग, सेक्रेटरी डॉ विशाल गर्ग, प्रधानाचार्या आशा गोयल, उपप्रधानाचार्या गीता अरोड़ा व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

सड़क हादसों में महिला व युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सिविल लाइन व मुरथल थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसों में एक महिला व युवक की मौत हो गई। मामलों की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने परिजनों के बयान पर आरोपित वाहन चालकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिए है।

- पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

गांव मुरथल निवासी कमल ने बताया कि उसका बेटा नितेश (25) निजी स्कूल की कैंटीन में काम करता था। शुक्रवार की देर शाम को वह मुरथल के ओशो धारा रोड से जीटी रोड की ओर जा रहा था। उसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

सड़क मार्ग से गुजर रहे निजी कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड साहिल ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे। जहां से उसे रोहतक पीजीआई लेकर चले गए। पीजीआई में उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान पर आरोपित ट्रैक्टर चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ई-रिक्शा की टक्कर से महिला की जान गई

कैलाश कालोनी निवासी शिवानी ने बताया कि वह अपनी सासा सुदेश रानी के साथ राठधना रोड पर सब्जी खरीदने के लिए आई थी। उसी दौरान तेज रफ्तार से आई ई-रिक्शा ने उसकी सास को चपेट में ले लिया। वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। चोट लगने की वजह से बेहोश हो गई। परिजन उसे अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। थाना सिविल लाइन पुलिस ने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जांच अधिकारी एचसी रवि ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपित को काबू कर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

धर्म का अर्थ होता है धारण करना: अग्निहोत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

आर्य समाज ऋषि नगर बत्रा कालोनी सोनीपत का वार्षिकोत्सव और दिव्य आध्यात्मिक सत्संग शनिवार को भी जारी रहा। संस्था प्रधान विनोद कुमार बत्रा की अध्यक्षता में आगरा से आमन्त्रित वेदनिष्ठ आचार्य हरि शंकर अग्निहोत्री के ब्रह्मत्व में आयोजित किया गया। यज्ञोपरान्त ब्रह्मा एवं मुख्य वैदिक प्रवक्ता ने वैदिक मन्त्र के उच्चारण के पश्चात बताया कि धर्म का अर्थ धारण करना होता है। परमेश्वर ने मनुष्यों को चार ऋषियों अग्नि, वायु, आदित्य और अंगिरा के माध्यम से चार वेदों के धार्मिक ग्रंथो ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद का सत्य ज्ञान प्रदान किया जिससे प्राणिमात्र का कल्याण होता रहे। अमृतसर से आए भजनोपदेशक पण्डित दिनेश आर्य पथिक ने गीतों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। मंच का संचालन हरिचन्द स्नेही द्वारा किया गया। समारोह में यज्ञ की पूर्णाहुति और समापन रविवार को भंडारे की व्यवस्था से सम्पन्न होगा। समारोह में जवाहर लाल बत्रा, रमेश कुमार मानकटालिया, राजेन्द्र तनेजा, महात्मा वेदमुनि वानप्रस्थी, अर्जुन देव दुरेजा, सुनीता अरोड़ा, रविन्द्र कुकरेजा, द्रौपदी देवी सपरा आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रबुद्ध लोग। फोटो : हरिभूमि

जेईई एडवांस में गीता विद्या मंदिर के मेधावी चयनित

गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना के मेधावी रघुवंश, अंशिका एवं नित्यांश जबकि बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी (आर्मी) में तनीष व सौरभ का हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेधावी छात्र रघुवंश पुत्र अश्विनी कुमार ने जेईई एडवांस में 98.6, अंशिका पुत्री लोकेश ने 94.3 एवं नित्यांश पुत्र संजीव कुमार ने 89.5 परसेंटाइल से द्वितीय स्तर को पार करते हुए तीसरे और अंतिम पड़ाव की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए। विद्यालय के शारीरिक आचार्य उमेश के मार्गदर्शन में विद्यालय के कक्षा 7वीं के दो छात्र तनीष पुत्र बलजीत और सौरभ पुत्र संदीप का चयन बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी (आर्मी) में हुआ है। कंपनी प्रतिनिधि विकास मलिक के अनुसार अब इन विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई,

रघुवंश

अंशिका

खेलकूद व अन्य खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। इस कंपनी द्वारा 8 से 14 साल के विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। चयनित विद्यार्थी अगर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा प्रदर्शित करते हैं तो उनकी सीधी भर्ती नायब सूबेदार या हवलदार पद पर की जाती है। इस अवसर पर शिक्षक व अभिभावक मौजूद रहे।

संदिग्ध हालत में फंदे से लटककर युवक ने दी जान

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालत में फंदे से लटककर युवक ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों ने मामले को पुलिस को सूचना दी। पुलिस व एफएसएल की टीम ने घटना स्थल से नमूने एकत्रित करके शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। अशोक विहार निवासी साहिल (24) ने अपने घर पर संदिग्ध हालात में फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों ने शव फंदे से लटका देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जहां एफएसएल की टीम को बुलाया गया। टीमों ने जरूरी नमूने एकत्रित करके शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जांच अधिकारी एचसी अनिल ने बताया कि परिजनों के बयान दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा-194 के तहत कार्यवाही अमल में लाई गई है। मामले की जांच की जा रही है।

- पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

सोशल साइट पर संपर्क करके ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रुपये की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले में साइबर ठगी के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे है। साइबर ठगों ने गोहाना के सब्जी विक्रेता से सोशल साइट पर संपर्क करके ट्रेडिंग का झांसा देकर लाखों रुपये की नकदी ठगने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कृष्णा कॉलोनी गोहाना निवासी सत्यदेव ने बताया कि वह सब्जी बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उनके फेसबुक अकाउंट पर एमरे लेन के नाम से एक संदेश आया था। उसने उन्हें टेलीग्राम एप से जुड़ने को कहा था। जिसके बाद उनसे तीन अलग-अलग आईडी से संपर्क किया गया। उन्होंने उनको एक व्यावसायिक प्लान बताया और कमाई का झांसा दिया। उन्होंने उनसे ट्रेडिंग में रुपये लगाने को कहा। जिसके बाद उन्होंने 15 मार्च से 18 मार्च के बीच उनके कहे अनुसार 6.14 लाख रुपये लगा दिए। बाद में जब उनसे रुपये वापस मांगे तो उनसे 3.80 लाख रुपये और देने को कहा। इसके लिए उन्होंने 10-15 दिन का समय दे रखा है। बाद में उन्होंने अपने स्तर पर जांच की तो पता लगा कि साइबर ठगों ने मोबाइल एप किड्स प्लेटफार्म वेबसाइट का प्रयोग कर उनसे धोखाधड़ी की है। अलग-अलग खातों में 17 बार में रुपये डलवाए गए। पीड़ित ने साइबर थाना में मामले की शिकायत दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई गिरिश ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द ठगों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

- पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को दी शिकायत, साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर की जांच शुरू

सरपंच पर युवक को रिवाल्वर का बट मारने व फायरिंग करने का आरोप

ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर आसंडा में विवाद, वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

आसंडा में बिजली का ट्रांसफार्मर लगवाने को लेकर सरपंच और एक परिवार के बीच झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों में हाथापाई हुई। आरोप है कि इस दौरान सरपंच ने युवक के सिर पर रिवाल्वर के बट से प्रहार कर उसे घायल कर दिया। इतना ही नहीं, जान से मारने की नीयत से फायर भी कर दिया। घटनाक्रम की एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल है, जिसमें सरपंच के हाथ में हथियार दिखाई दे रहा है और दो युवकों के साथ उनकी खींचतान चल रही है। हालांकि मामले की असल वजह जांच का विषय है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। शनिवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे यह घटनाक्रम हुआ। घटनाक्रम के बाद ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए मार्ग भी अवरुद्ध कर दिया था। लेकिन पुलिस के समझाने के बाद ग्रामीण शांत हुए। वहीं घायल युवक सत्यवान को नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ में भर्ती कराया। पुलिस ने अस्पताल में पहुंचकर घायल के बयान लिए। इस घटना पर घायल युवक व उनके परिजनों ने रोष जताया है। शिकायतकर्ता सत्यवान का कहना है कि शनिवार को गांव का सरपंच फिरनी पर बिजली निगम के कर्मचारियों के साथ खंभे, ट्रांसफार्मर लगवाने आया था। वह हमारे मकान की दीवार के निकट ट्रांसफार्मर लगवाने लगा। हमने इस पर आपत्ति जताई तो विवाद हो गया। सरपंच ने मुझे थप्पड़ मारा। फिर अपना लाइसेंसी रिवाल्वर निकालकर मेरे सिर पर उसका बट मारा, जिससे खून बहने लगा। इतना ही नहीं, जान से मारने की नीयत से गोली भी चलाई। गनीमत रही कि मोहित ने सरपंच को उस वक्त धक्का दे दिया और गोली किसी को नहीं लगी।

- घटना के विरोध में ग्रामीणों ने जाम लगाया

बहादुरगढ़। घायल सत्यवान के बयान दर्ज करता पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

बाइक सवार बदमाशों ने अध्यापक का फोन झपटा

सोनीपत। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में अध्यापक का मोबाइल फोन झपने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को देकर बाइक सवार दो बदमाशों पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस बदमाशों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। फसला मोहल्ला निवासी रोहित जैन ने बताया कि वह निजी स्कूल में शारीरिक शिक्षा का अध्यापक है। वह बृहस्पतिवार को अपने घर की जा रहा था। जब लाल दरवाजा के पास पहुंचा तो बाइक सवार युवकों ने उसका मोबाइल छीनने का प्रयास किया। जिस पर उन्होंने उनका सामन किया। जिसके बाद झपटमारों ने उसे धक्का देकर नीचे गिरा दिया और मोबाइल छीन ले गए। जमीन पर गिरने से उनको चोट भी आई है। आसपास के लोगों ने भी झपटमारों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भाग निकले। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई शिवमुनी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द बदमाशों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

- पीड़ित के बयान पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत किया मुकदमा दर्ज

बहादुरगढ़। उप डाकघर शिफ्ट करने का विरोध करते लाइनपार निवासी। फोटो : हरिभूमि

उप डाकघर के स्थानांतरण से रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

लाइनपार की टैंकर वाली गली में पिछले 25 सालों से उप डाकघर खुला हुआ है। जिससे लाइनपार की लगभग 40 हजार जनता को सुविधा मिल रही है। लेकिन अब डाक विभाग के अंबाला मंडल द्वारा इसे शिफ्ट करने के आदेश जारी किए गए हैं। जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों में रोष है। समाज कल्याण मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर सीमा प्रवीन दलाल ने बताया कि उप डाकघर में प्रत्येक महीने डेढ़ से दो करोड़ के बीच लेन देन होता है। लेकिन अंबाला मंडल द्वारा इसे लघु सचिवालय में स्थानांतरण का आदेश दिया गया है।

उप डाकघर शिफ्टिंग की वजह से लाइनपार के हजारों लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। आवागमन के साथ ही लाइनपार निवासियों की जेब पर भी भारी खर्च पड़ेगा। प्रोफेसर सीमा प्रवीन दलाल ने कहा कि लाइनपार की बढ़ती आबादी को देखते हुए मौजूदा भाजपा सरकार को एक नया उप डाकघर खोलना चाहिए। लेकिन इसके विपरीत लाइनपार की लगभग 40 हजार जनता से सुविधा छीनी जा रही है।

उन्होंने कहा कि इसे लाइनपार से शिफ्ट किया गया तो लाइनपार निवासी लघु सचिवालय का घेराव करेंगे। इस दौरान दयानंद, राकेश, एडवोकेट राहुल, ओमप्रकाश हुड्डा, स्नेहलता, आशा, शर्मिला, नीलम, अंजना, कमला, प्रमिला, आनंद, विजय, देवेंद्र, नरेंद्र व संदीप आदि मौजूद रहे।

- लाइनपार के 10 वार्डों के इकलौते उप डाकघर को शिफ्ट करने के आदेश

छीना झपटी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सदर थाना पुलिस ने युवक से छीना झपटी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उससे छीना गया मोबाइल भी बरामद कर लिया गया। वारदात यूपी के निवासी अमन के साथ हुई थी। वह फिलहाल गांव बादली में रहता है। हाल ही में अमन अपने गांव से लौटा था। अल सुबह करीब चार बजे बादली जाने के झज्जर मोड़ से वह ऑटो में सवार हुआ था। ऑटो में चालक के अलावा एक और युवक सवार था। नयागांव बाईपास पहुंचने पर ऑटो चालक ने उससे कहा कि पंक्चर हो गया है, टायर देखना। जब वह नीचे उतरा तो दूसरे युवक ने उसको पकड़ लिया। फिर चालक ने मोबाइल व नगदी छीन ली और मौके से फरार हो गए। इस शिकायत पर सदर थाने में केस दर्ज हुआ। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी सागर को गिरफ्तार कर लिया है। बादली का रहने वाला है। छीना गया मोबाइल बरामद किए गया। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया।

- वारदात में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

खबर संक्षेप

विनोद बने एमपीएचई एसो. के जिला प्रधान

रोहतक। बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन का जिला स्तरीय सम्मेलन एवं चुनाव शनिवार को सामान्य अस्पताल में सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता चुनाव पर्यवेक्षक अशोक देशवाल ने की एवं पर्यवेक्षक के तौर पर राज्य कमेटी से नियक्त सहदेव आर्य सांगवान मौजूद रहे। चुनाव पर्यवेक्षक ने पूर्व कार्यकारिणी को भंग कर चुनाव प्रक्रिया को पूरा किया। जिसमें विनोद हुड्डा को जिला प्रधान, संदीप गोस्वामी को जिला सचिव, अजहरुद्दीन को कोषाध्यक्ष व सतवंती वरिष्ठ उप प्रधान, प्रेस सचिव बलराज सर्वसम्मति से चुना गया।

दुकान का सामान सड़क पर फेंका, केस दर्ज

रोहतक। सुभाष रोड पर स्थित दुकान में रखे सामान को कुछ लोगों ने बाहर फेंक दिया और दुकान पर कब्जा कर लिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत आर्य नगर पुलिस को दी है। जिसमें आरोप लगाया है कि प्रवीन कुछ युवकों और महिलाओं को लेकर दुकान पर आया और जबरन शटर तोड़कर सारा सामान बाहर रोड पर फेंक दिया। विरोध करने आए दुकान मालिक को धमकी भी दी।

हसनगढ़ के खेतों में मिला अज्ञात शव

सांपला। हसनगढ़ के पास खेतों में एक अज्ञात शव मिला है। पुलिस ने सबको कब्जे में लेकर पहचान के लिए पीजीआई रोहतक भेज दिया। सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक अज्ञात शव पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पहुंची और शव की पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो पाई। मृतक की उम्र 32 वर्ष के करीब है। शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं पाए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विनोद हुड्डा ने बताया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्वक पूरी हो गई। जिला कार्यकारिणी का विस्तार जल्द ही पूरा किया जाएगा।

पंजाबी रामा क्लब में हवन व भंडारा आज

महम। पंजाबी रामा क्लब महम में रविवार 20 अप्रैल को स्वर्गीय राजा खुराना की याद में हवन व भंडारा आयोजित किया जाएगा। राजा खुराना मैमोरियल सोसाइटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह 10 बजे हवन होगा और दोपहर 12 बजे भंडारा लगाया जाएगा।

गुजरात के राज्यपाल आर्य समाज मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे

युवा नशे से दूर रहें इसके लिए ज्यादा से ज्यादा को आर्य समाज के विचारों से जोड़ेंगे : आचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

विधायक देवेंद्र कादियान ने आर्य समाज द्वारा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने हमेशा अंधविश्वास और पाखंड का विरोध किया है। विधायक ने भी आर्य समाज मंदिर को पांच लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। वहीं समाजसेवी अंकित मल्हौत्रा ने भी 50 हजार रुपये की राशि भेंट करने की घोषणा की।

गुजरात के राज्यपाल महामहीम आचार्य देवव्रत ने कहा कि हरियाणा को उनके खान-पान व भाईचारे और संस्कृति के लिए जाना जाता था, लेकिन आज का हमारा युवा नशे का शिकार होता जा रहा है। युवा नशे से दूर रहें इसके लिए ज्यादा से ज्यादा युवाओं को आर्य समाज के विचारों से जोड़ने का कार्य किया जाएगा ताकि वे नशे से दूर रहकर अपनी विरासत, परंपरा व संस्कृति को बचाने के लिए प्रयास करें। राज्यापाल आचार्य देवव्रत शनिवार को गांधी नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र कादियान व समाजसेवी अंकित मल्हौत्रा ने भी शिरकत की। उन्होंने आर्य समाज मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकापर्ण भी किया। राज्यपाल ने आर्य समाज मंदिर को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। इस अवसर पर रणदीप कादियान, रेलवे अधिकारी विनीत चड्ढा, राज्यपाल के ओएसडी राजेंद्र, स्वामी नित्यानंद, आर्य समाज मंदिर के मंत्री विजयपाल सिंह, रमेश यशपाल, अजीतपाल, अमित कुमार, सतपाल पहलवान, दहिया आदि मौजूद रहे।

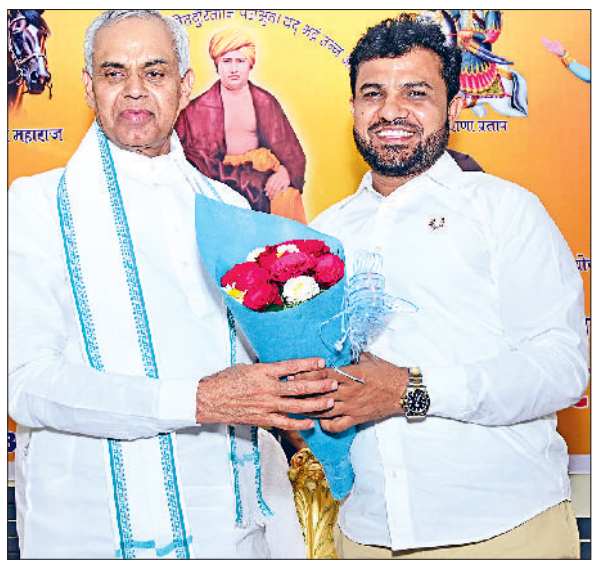

गन्नौर। गुजरात के राज्यपाल महामहीम आचार्य देवव्रत का विधायक देवेन्द्र कादियान पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए। फोटो :हरिभूमि

प्राकृतिक खेती पर दिया जोर

राज्यपाल ने कहा कि रासायनिक खेती ने जहां उत्पादन बढ़ाया, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव भी डाला है। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते रासायनिक खेती को नहीं छोड़ा गया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए कुछ भी शेष नहीं रहेगा। वैज्ञानिकों के परीक्षणों में मां के दूध में भी यूरिया की मात्रा पाई गई है, जो बेहद चिंता का विषय है। राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक खेती ही इन समस्याओं से मुक्ति का एकमात्र उपाय है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक खेती को त्यागकर प्राकृतिक खेती को अपनाएं।

विधायक कादियान ने मंदिर के लिए की पांच लाख की घोषणा

कार्यक्रम में पहुंचे स्थानीय विधायक देवेंद्र कादियान ने आर्य समाज द्वारा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने हमेशा अंधविश्वास और पाखंड का विरोध किया है। विधायक ने भी आर्य समाज मंदिर को पांच लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। वहीं समाजसेवी अंकित मल्हौत्रा ने भी 50 हजार रुपये की राशि भेंट करने की घोषणा की।

हेरोइन तस्करी का आरोपी पुलिस हिरासत से फरार

- मेडिकल करवाने के लिए नागरिक अस्पताल लेकर आई थी पुलिस
- क्राइम यूनिट कुंडली ने किए थे दो आरोपित गिरफ्तार
- थाना शहर पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की थी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हेरोइन तस्करी के मामले में गिरफ्तार एक तस्कर पुलिस को चकमा देकर हिरासत से फरार हो गया। पुलिस आरोपित और उसके साथी को गिरफ्तार करने के बाद मेडिकल के लिए नागरिक अस्पताल लेकर आई थी।

इस दौरान अचानक उसका दोस्त तबीयत खराब होने पर गिर गया था। पुलिस उसे संभालने लगी तो दूसरा आरोपित भाग निकला। आरोपित दीपक खरखौदा के मटिंडू रोड का रहने वाला है। फिलहाल थाना सेक्टर-27 पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। क्राइम यूनिट को सूचना मिली थी कि वेस्ट रामनगर का रहने वाला मोहित और खरखौदा का दीपक हेरोइन बेचते हैं। इस समय दोनों हेरोइन बेचने के लिए कालूपुर के पास मौजूद हैं। टीम ने मौके पर पहुंच कर निगरानी शुरू कर दी। टीम को देख कर वहां खड़े दो युवक दूसरी तरफ जाने लगे। टीम ने घेराबंदी कर दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया। उनसे पूछताछ की तो युवकों ने अपनी पहचान मोहित और दीपक के रूप में दी। टीम ने तलाशी ली तो उनके पास से 106 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि लंबे समय से हेरोइन की तस्करी के धंधे में लिप्त हैं और इसे आसपास के इलाकों में बेचते थे। इसके बाद थाना शहर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। बाद में एएसआइ प्रदीप, सिपाही संदीप, होम गार्ड जितेंद्र दोनों को मेडिकल करवाने के लिए अस्पताल लेकर आई थी। जहां अचानक ही मोहित की तबीयत खराब हो गई। पुलिस कर्मचारी उसे संभालने लगे। इसी बीच आरोपित दीपक उनको चकमा देकर भाग निकला। पुलिस ने उसकी आसपास तलाश भी की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग पाया।

जल्द काबू कर लिया जाएगा

आरोपित की तलाश के लिए टीमें लगी हुई है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, मामले की जांच भी की जा रही है। यदि किसी पुलिसकर्मी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
नरेंद्र कादियान, डीसीपी, क्राइम।

धन से भी बढ़कर स्वास्थ्य की संपत्ति : अंजलि श्रोत्रिय

- गांव माहरा में आयुष स्वास्थ्य जांच शिविर में 85 नागरिकों का स्वास्थ्य जांचा
- जीवन में धन का बहुत बड़ा महत्व है लेकिन यह स्वास्थ्य के बिना बेकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय के निर्देश पर शनिवार को गांव माहरा में आयुष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर जिला आयुष अधिकारी के निर्देशन में आयुष ग्राम माहरा द्वारा आयोजित किया जिसमें 85 बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में गांव की प्राथमिक पाठशाला और आंगनवाड़ी के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

स्वास्थ्य का ख्याल बहुत जरूरी

एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय ने कहा कि माना कि जीवन में धन का बहुत बड़ा महत्व है लेकिन यह स्वास्थ्य के बिना बेकार है। स्वास्थ्य से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं है। धन का हम तभी सुख भोग सकते हैं जब हम पूर्ण स्वस्थ होंगे। धन कमाने के लिए अपने स्वास्थ्य को दांव पर लगाना उचित नहीं है। अगर धन चला जाए तो दोबारा से कमाया जा सकता है लेकिन अगर स्वास्थ्य खो दिया तो इसे हासिल करना बेहद मुश्किल है। इसलिए हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए। एक स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन में आगे बढ़ते हुए कुछ कर सकता है। शिविर में आयुष ग्राम माहरा के इंचार्ज डॉ. सुरेश कुमार दुग्गल, फार्मासिस्ट यशवीर, योग सहायक वीरभान और योग अनुदेशक प्रोमिला ने अपनी सेवाएं दी।
एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय।

जानलेवा हमला करने का आरोपित गिरफ्तार

गोहाना। क्राइम यूनिट गोहाना की पुलिस टीम ने फायर कर जानलेवा हमला करने की घटना में संलिप्त आरोपित शिव नगर के आदित्य को गिरफ्तार किया। उससे घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की। उसे न्यायालय के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। आदर्श नगर के अरुण ने पुलिस को शिकायत दी थी कि वह 15 अप्रैल की रात को काम करके अपने घर पर आया था। गोली चलने की आवाज सुनने पर वह घर से बाहर निकला। बाइक पर देवीपुरा कालोनी का चंद्रमोहन व अन्य युवक सवार थे। लगभग एक साल पहले चंद्रमोहन ने साथियों के साथ मिलकर उससे झगड़ा गया था, जिसकी रंजिश में अब फायर किया गया। सहायक उप निरीक्षक अनित कुमार ने पुलिस टीम के साथ पहले आरोपित गांधी नगर के रोहित व देवीपुरा के प्रिंस का गिरफ्तार किया था। अब आरोपित शिव नगर के आदित्य को गिरफ्तार किया गया।

परीक्षित टुटेजा और यक्षिता धनखड़ ने जेईई मेन्स परीक्षा में पाई सफलता

शिवा शिक्षा सदन में होनहार विद्यार्थी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शिवा शिक्षा सदन, सोनीपत के कक्षा बारहवीं के छात्र परीक्षित टुटेजा ने 99.2 पर्सेंटाइल और यक्षिता धनखड़ ने 97.5 पर्सेंटाइल प्राप्त कर जेईई मेन्स परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। विद्यालय की इस उपलब्धि पर प्राचार्या अलका विज ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई दी और कहा कि इस सफलता में विद्यालय के शिक्षकों और अभिभावकों का अमूल्य योगदान है। बच्चों को सही समय पर सही दिशा मिले, इसके लिए हमने एक आधुनिक एवं परिणामोन्मुखी पद्धति अपनाई है, जिसने छात्रों की तैयारी को नई दिशा दी है। विद्यालय के निदेशक अरुण बंसल ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एक सकारात्मक वातावरण में अध्ययन से छात्रों को न केवल ज्ञान मिलता है, बल्कि तनावमुक्त रहकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी मिलती है।

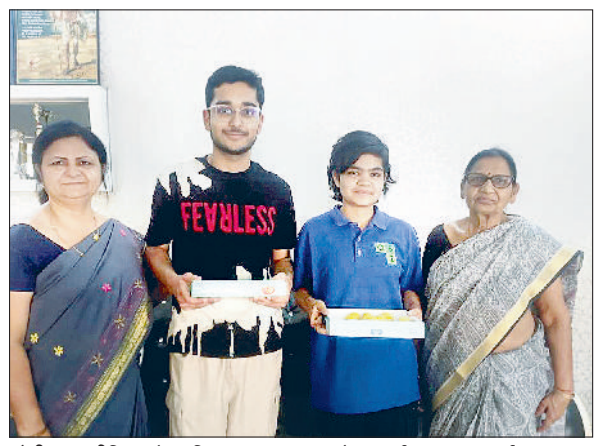

सोनीपत। परीक्षित और यक्षिता का स्वागत करते प्राचार्या एवं उप प्राचार्या।

विद्यार्थियों को विद्यालय के नियमों और सिद्धांतों से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत में शनिवार को विशेष प्रातः कालीन सभा का आयोजन किया गया। सभा की शुरुआत आर्मी, नेवी तथा एयर तीनों विंगो के कैडेट्स ने मनमोहक बैंड के साथ मार्च पास्ट द्वारा की। प्रार्थना और ध्यान के पश्चात विद्यार्थियों को विद्यालय के नियमों और सिद्धांतों से अवगत कराया गया। विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय के प्रमुख सिद्धांत—अनुशासन, समय पालन, स्वच्छता, परिश्रम और सत्यनिष्ठा पर बल देते हुए कहा कि इन मूल्यों को अपनाकर ही विद्यार्थी अपने चरित्र का निर्माण कर सकते हैं। विद्यालय के निदेशक धीरज शर्मा, ग्लोबल आउटरीच डायरेक्टर अर्चना शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य उमेश शर्मा, उपप्रधानाचार्या कृति चौधरी समेत सभी शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे।

एक राष्ट्र-एक चुनाव मुहिम से जुड़ें युवा : डॉ. अरविंद

- राजकीय महिला कालेज के 44वें वार्षिकोत्सव में कैबिनेट मंत्री ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की
- महाविद्यालय में लाइब्रेरी के लिए 25 लाख देने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में एक राष्ट्र-एक चुनाव को जनांदोलन बनाया है। हमें मिलकर उनके संकल्प को सिद्धि तक लेकर जाने व देश पर बार-बार चुनाव से आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक स्तर के बोझ को कम करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने इस दिशा में अपनी सहमति के साथ सदन में प्राध्यापकों व छात्राओं का भी समर्थन जुटाया। शनिवार को राजकीय महिला महाविद्यालय, गोहाना के 44वें वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा अपनी धर्मपत्नी डॉ रीटा शर्मा के साथ मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा ने कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा को पगड़ी बांधकर स्वागत किया। मंत्री छात्राओं से संवाद करते हुए बोले कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते साढ़े 10 साल की अवधि में बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। बेटियों को जन्म से लेकर उनके पोषण, उच्च शिक्षा से लेकर उनके रोजगार व स्वरोजगार के लिए अनुकूल माहौल देने का काम किया है। इससे आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का डंका बजा रही हैं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा, उप प्राचार्य सतीश कुमार, बलराम कौशिक, भूपेंद्र मुदगिल, सुमित कक्कड़, प्रो. शमशेर भंडेरी, ज्योति चहल, अनिल कौशिक, अंजू कौशिक, सन्दीप चोपड़ा, कुलदीप कौशिक, कमलेश सैनी, सत्यवती पांचाल, प्रवीण कपूर व बबली उपस्थित रहे।

सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड अकादमी में कार्यक्रम के दौरान छात्रों के साथ प्रबंधक एवं अन्य।

अवसरों का निर्माण करना सिखाता है नेतृत्व : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

ऋषिकुल वर्ल्ड अकादमी में अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक नीरज शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उनके साथ विद्यालय निदेशक रीमा शर्मा व प्रधानाचार्या चंचल शर्मा, पार्थ शर्मा, भूपेंद्र भी उपस्थित रहे। विद्यालय के छात्र नेतृत्व का चयन कर रितेश एवं हिमांशी को क्रमशः हेड बॉय और हेड गर्ल, देव और लकी को वॉइस हैड बॉय, वाइस हैड गर्ल और चारों सदन जल ,वायु, अग्नि और पृथ्वी के कैप्टनस को बैचिज और शैसिज पहना कर सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर नीरज शर्मा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व एक संगठन के लिए भविष्य की दिशा और दृष्टि प्रदान करता है।

सूचना

मैं, जगमेन्द्र सिंह पुत्र दर्जे राम निवासी गांव रोहट, तहसील व जिला सोनीपत, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अनिल दहिया व उसकी पत्नी सुमन मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कार्यक्रम नगर निगम क्षेत्र में होंगे विकास कार्य, बनेगा मिनी बाइपास, पार्कों का निर्माण भी होगा

चार करोड़ से बनने वाले लहराड़ा ककरोई रोड बाईपास का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नगर निगम एरिया के विभिन्न गावों एवं कालोनियों में लगभग 7 करोड़ रुपयों से विकास कार्यों की शुरुआत विधायक निखिल मदान, पवन खरखौदा तथा मेयर राजीव जैन द्वारा नारियल फोड़कर की गई। जिसमें चार करोड़ की लागत से बनने वाले लहराड़ा ककरोई रोड बाईपास का शिलान्यास प्रमुख रूप से शामिल है। शनिवार को सबसे पहले तीनों नेताओं ने लहराड़ा गांव में तीन किलोमीटर लम्बे मिनी बाईपास का कार्य शुरू करवाया। इसके अतिरिक्त वार्ड 17 में आर्य नगर में एक करोड़ 40 लाख रुपयों से गलियों का पुनर्निर्माण, राठधना गावों में 78 लाख रूपये की लागत से पार्क का शिलान्यास तथा गांव जगदीशपुर में 96 लाख रूपये की लागत से बने पार्क का उद्घाटन किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम में सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा, पार्षद मोनिका नागर, नवीन तंवर, सूर्य दहिया भी उपस्थित रहे। इसके अलावा आर्य नगर में नई सीवर लाइन डालने के कारण कई माह से टूटी फूटी सड़कों की मरम्मत की जाएगी। गांव राठधना में एक पार्क का निर्माण होगा। इसी तरह गांव जगदीशपुर में पार्क का उद्घाटन किया गया। विधायक निखिल मदान ने कहा कि शहर की समस्याओं को एक-एक करके हल किया जायेगा। मेयर राजीव जैन ने कहा कि सबका साथ सबका विकास की नीति पर चलते हुए कोई भी वार्ड विकास से अछूता नहीं रहेगा।

- सात करोड़ से विकास कार्यों का दो विधायक व मेयर ने नारियल फोड़ किया शुभारंभ

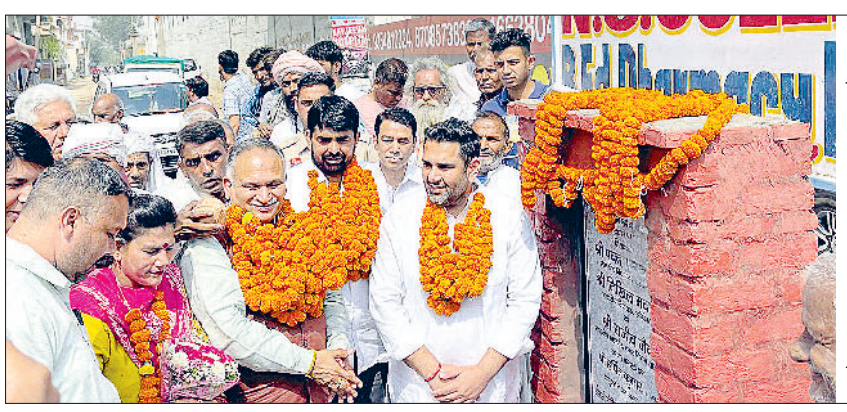

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए विधायक निखिल मदान, पवन खरखौदा व मेयर राजीव जैन।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रमों में ब्रह्मप्रकाश राठी, मुकेश एंडी, महेंद्र राठी, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश वर्मा, ओम कंवार, रामू, पवन गुप्ता, कृष्ण, कर्मवीर, प्रेम नैन, राजेंद्र कुंडू, सुरेश, सुनील, अनिल ग्रोवर, वेद कालूपुर, प्रदीप सरोहा, नरेंद्र पांचाल, प्रीतम, नरेश, रामकिशन सरोहा, सुदामा, परवीन, अनिल, प्रदीप (भोला), दलबीर आदि आदि कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

नव ज्योति सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खुबड़ू-भावर ने शिक्षा जगत में बनाई पहचान

गन्नौर। गन्नौर-गोहना मार्ग पर कैलाना मोड़ के पास स्थित नव ज्योति सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खुबड़ू-भांवर ने नई शुरूआत करते हुए शहरी बच्चों का गांव के स्कूल में पढने का रूझान बढ़ाया है। आज शहर से बच्चे नव ज्योति स्कूल में पढने जा रहे है। स्कूल के प्राचार्य राजेन्द्र कौशिक ने बताया कि स्कूल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके लक्ष्य तक पंहुचाकर उन्हें सफल बनाना है। स्कूल के प्रयास के कारण बच्चे गांव के खुले वातावरण में पढने जाते है। कौशिक ने बताया कि उच्च, शिक्षित व समर्पित स्टाफ, समय- समय पर योग कैम्प व मेडीकल जांच, शैक्षणिक भ्रमण, खेलो के लिए कोच की व्यवस्था, तकनीकी आधार पर शिक्षा, आरओ युक्त पानी आदि सुविधा बच्चों को मिलती है। छोटे बच्चों को खिलौनो के माध्यम से भी ज्ञान दिया जाता है ताकि बच्चे आसानी से पढाई पढ सके। कई बार संस्था बेहतर कार्य करने पर उपमंडल प्रशासन के अलावा विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं से शिक्षा के साथ सामाजिक कार्यो में बेहतर रूचि लेने के कारण भी सम्मानित हो चुकी है। खेलो में भी बच्चे पदक प्राप्त कर रहे है। प्राचार्य राजेन्द्र कौशिक ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के सुनहरी भविष्य के लिए नव ज्योति स्कूल में प्रवेश करवाएं ताकि आपके बच्चे का भविष्य उज्जवल हो सके।

NAVJYOTI SHIKSHA SADAN
Khubru – Bhanwar, Ganaur (Sonipat) Ph. : 9812096582

ADMISSION OPEN 2025-26
(Based on C.B.S.E. Pattern) Nur. To 10+2

Principal
Rajender Kaushik

ART | COMMERCE | SCIENCE

- Qualified experienced, trained and dedicated teaching staff.
- 100% Quality Result accomplished in Board examination.
- Attractive, Airy School Building with lush Green Park.
- To organise Educational trips, Sports and cultural activities.
- Pollution free, peaceful learning environment.
- Library & Science Lad Facilities available.
- Affordable Fee Structure.
- Transport & Day Boarding Facility available.
- Nur. to XI Based on CBSE pattern,
- Computer Laboratory to develop child's memory observation and logical thinking.

रतिराम मैमोरियल सीं सैं स्कूल खुबड़ू की शिक्षा के साथ खेलो में है पहचान

गन्नौर। खुबड़ू गांव में रतिराम मैमोरियल सीं सैं स्कूल अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को साकार करता है। स्कूल में 11 वीं 12 वीं मेडीकल, आर्टस, कामर्स की कक्षाओं में बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहे है। प्रधानाचार्या रतन बाला धनखड़ व प्रबंधक रविन्द्र धनखड़ ने बताया कि स्कूल में हर कक्षा में कैमरे लगवाने के साथ आधुनिक शिक्षा की व्यवस्था की गई है। बच्चों के आवागमन के लिए बसों की सुविधा है। गर्मी में शीतल व आरओ युक्त पानी की सुविधा है। स्कूल में कबड्डी, एथलैटिक्स आदि खेल मैदान है। योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक के साथ पहली से बाहरवीं कक्षा तक कम्प्यूटर शिक्षा अनिवार्य की गई है। शानदार परीक्षा परिणाम इसकी पहचान है। ग्रामीण क्षेत्र में स्कूल ने शिक्षा व खेलो में अच्छी पहचान कायम की है। खेलो में स्कूल के छात्रों ने विभिन्न पदक जीतकर नाम रौशन किया है। निदेशक रविन्द्र धनखड़ ने बताया कि हवादार कमरे, खेलने का मैदान, खुला स्वस्थ वातावरण, कम्प्यूटर शिक्षा बच्चों को दी जा रही है। हर साल बोर्ड कक्षाओं का शानदार परीक्षा परिणाम स्कूल की पहचान है। बच्चों को स्कूल लेकर आने के लिए छोटे वाहन से बड़े वाहन की भी व्यवस्था है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा कम्पयुटर लैब, डैस्क-बैंच, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। धनखड़ ने अपील कि बेहतर भविष्य के लिए प्रवेश दिलाए अभिभावक।

"We effort makes Bright Future"
Rati Ram Memorial Sr. Sec. School
KHUBRU, SONIPAT
An English Medium Co-Edu. (Permanent Recognised)
SCIENCE | COMMERCE | ARTS

REGISTRATION OPEN
Nursery to XII Class

ACTIVITIES & FACILITIES:-
- Regular P.T.M. & Parent's Participation Programs.
- Secure Campus with CCTV Surveillance.
- Well equipped Physics, Chemistry, Biology & Computer Lab
- Outstanding Board Result of 10th & 12th Class.
- Safe & Under CCTV Surveillance transport facilities.
- Sports & Game by Special Coach.

Transport Facility -
Sitawali, Kailana, Seyakhera, Bhanwar, Sheikhpura, Ganaur, Kheri Bilandpur, Naya Bans, Ahulana, Shamspur, Gamra, M.P. Majra

आपका विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अग्रणीय रहा है। विद्यालय सभी सुविधाओं से लैस है

Managing Director Ravinder Dhankhar | Principal Rattan Bala

Contact us: 9466664770 | E-mail: ratiramschool0001@gmail.com

Child Care International School
(A fully Air-Conditioned, Affiliated to C.B.S.E. School)
Invites Application for the post of:
- TGT All Subject
- PRT All Subject
- Mother Teacher
- Driver (Preferred from Sonipat City)

Note: All candidates must be well experienced and fluent in English

Send resume on this number 9991155494
OR E-mail:- ccischool2019@gmail.com
SALARY NO BAR
Shortlisted candidates will be called
Walk in Interview on all working days at 9.00 a.m to 1.00 p.m.
(Note:- Transport Facility available from Sonipat)
ADMISSION OPEN 50% Discount Secured 80% Marks
Khubru Road, Sheikhpura, Ganaur, Distt. Sonipat-131101
9991155494, 8572810494

चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व सपने को साकार करता है

गन्नौर। चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व सपने को साकार करता है। बच्चा घर की चार दिवारी से निकलकर अपने सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय में प्रवेश लेता है और विभिन्न प्रकार की शिक्षा ग्रहण कर अपना चहुमुखी विकास करता है। इसी सपने को साकार करने की राह पर चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा (गन्नौर) अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर देता है तथा यह विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से भी परिपूर्ण है। इसका भवन ऐसी जगह पर है ताकि विद्यार्थियों को शांति व उचित माहौल के साथ पढ़ाया जा सके। यहां विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ सभ्यता और संस्कृति से भी उनको जोड़कर रखा जाता है ताकि वह एक सभ्य नागरिक बन सके तथा इसमें सभी त्योहार जयंती तथा सभी उत्सवों का महत्व समझाया जाता है। खेलों के क्षेत्र में भी यह विद्यालय अग्रणीय है। खेलो की बेहतर व्यवस्था के कारण छात्र विभिन्न खेलो में पदक प्राप्त कर रहे है। यह गर्व की बात है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तीसरा स्थान जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय में भी विशेष तौर पर ऐसे विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है जिसे सभी विद्यार्थियों को प्रेरणा मिल सके तथा उनमें आगे बढ़ाने का नेतृत्व मिल सके। विद्यालय में गर्मी के मौसम से बचने के लिए ऐसी की सुविधाएं हैं तथा उचित पेयजल तथा स्मार्ट क्लास भी उपस्थित है ताकि आज के समय के तकनीकी माहौल को विद्यार्थियों से अवगत कराया जा सके। विद्यालय विद्यार्थियों के संपूर्ण अथवा सर्वांगीण विकास पर पूर्णतया बल देता है। इसलिए अभी अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रवेश दिलाकर पहला कदम उठा सकते हैं।

SHIVALIK PUBLIC SR. SEC. SCHOOL

2025-26 ADMISSION OPEN
NURSERY TO 12th

Stream For: Medical, Non Medical, Commerce & Arts

SPL. FEATURES :-
- Play Ground
- Scouts Guide
- Art Painting
- Spoken English
- Trained Teacher
- Sports Activities
- Computer Lab
- XI & XII Medical, Non-Medical Lab
- Aided Learning with CCTV Monitoring
- Eco Friendly Environment
- Creative Atmosphere
- Joy Full Education
- E-Learning School

Staff requirements:
PGT: CHEMISTRY, BIOLOGY, Maths
TGT: English, Maths

Principal:
Ramesh Pahal
9416486012, 9812599256

Gandhi Nagar, Kheri Gujjar Road, Ganaur (Sonipat) E-mail: Spsganaur@gmail.com

शिवालिक पब्लिक सीं सैं स्कूल ने पाई शिक्षा जगत में उन्नति

गन्नौर। खेड़ी गुज्जर रोड गन्नौर में स्थित शिवालिक पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने ऐसा माहौल तैयार किया है। जिसमें बच्चों का मन पढाई में लगे। स्कूल में 11 व 12 वीं कक्षा में साईस, कामर्स व आर्ट तीनों संकाय है। स्कूल में अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम की शिक्षा दी जाती है। स्कूल के प्राचार्य रमेश पहल ने बताया कि खेलो को बढ़ावा देने के लिए स्कूल में खेल अकेडमी के साथ विभिन्न खेलो के कोच की व्यवस्था की है। खेलो में स्कूल के छात्र पदक जीतकर स्कूल का नाम रौशन कर रहे है। अध्यापकों की देखरेख में स्कूल का काम करवाया जाता है। जिस कारण हर वर्ष स्कूल का परीक्षा परिणाम बेहतर रहता है। शैक्षणिक कार्यक्रमों के द्वारा विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों व स्वस्थ आदतों का विकास करवाना है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा कम्पयुटर लैब, डैस्क- बैंच की व्यवस्था की गई है। पढाई के साथ- साथ समाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों व खेलों में बच्चों की पूर्ण भागीदारी व प्रतियोगी परीक्षाओं को तैयारी करवाता है। बच्चों को पीने के पानी के लिए आर ओ व वाटर कूलरों की व्यवस्था है। स्कूल कैंपस व कमरों में सीसीटीवी लगे हुए है। स्कूल के प्रधानाचार्य रमेश पहल ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का स्कूल में प्रवेश करवाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाए। स्कूल में लाईब्रेरी, साईस लैंब, बच्चों के आवागमन के लिए बस सुविधा, रेगुलर मेडीकल जांच कैम्प, खेलो के लिए मैदान के साथ कोच की व्यवस्था की गई है। स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में शहर व गांव में अपनी पहचान बनाई है। प्रधानाचार्य रमेश पहल ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बेहतर भविष्य के लिए स्कूल में बच्चों का प्रवेश दिलाए।

एम डी सीनियर सैकेंडरी स्कूल सरढ़ाणा की पहचान, बेहतर शिक्षा शानदार परीक्षा परिणाम व उतम अनुशासन

गन्नौर। गांव सरढ़ाणा में बली कुतुबपुर रोड स्थित एम. डी. सी. सैं स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। स्कूल बेहतर शिक्षा शानदार परीक्षा परिणाम व उतम अनुशासन के लिए जाना जाता है। स्कूल के छात्र बोर्ड की कक्षाओं में प्रदेश में बेहतर स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रौशन कर चुके है। प्रतियोगिता के दौर में बच्चों की बेहतर शिक्षा सुनहरे भविष्य व उनके सवार्गीण विकास के लिए एम डी स्कूल सरढ़ाणा में अपने बच्चों का प्रवेश दिलाकर उज्जवल भविष्य बनाए। स्कूल के प्रधानाचार्य जोगेन्द्र मलिक ने बताया कि संस्था का उद्देश्य शिक्षा में गुणवता व मैरिट के ग्राफ को बढ़ाना, अंग्रेजी हिन्दी माध्यम की सहशिक्षा, मूलभुत भौतिक सुविधाओं से सम्पन्न शैक्षणिक वातावरण, प्रशिक्षित मेहनती स्टाफ है। पढाई के साथ- साथ सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों व खेलों में बच्चों को पूर्ण भागेदारी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है। मानव मूल्यों, नैतिक कर्तव्यों व अनुशासन पर विशेष बल दिया जाता है। प्रधानाचार्य जोगेन्द्र मलिक ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का स्कूल में प्रवेश करवाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाए। स्कूल में पूरे प्रांगण में सीसीटवी, लाईब्रेरी, साईस लैंब, बच्चों के आवागमन के लिए बस सुविधा, रेगुलर मेडीकल जांच कैम्प, खेलो के लिए मैदान के साथ कोच की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चे शिक्षा के साथ खेलो में नाम कमा सके। उन्होंने बताया कि स्कूल में खेलो की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है। लड़के व लड़कियों के बहुत ही अच्छे खेल मैदान की व्यवस्था है।

M.D. SR. SEC SCHOOL
Sardhana Sonipat, Haryana
M. 9813377165

MAKE YOUR CHILD CONFIDENT WITH 5 KEY SKILLS

- COMMUNICATION to read, write & speak fluently in English
- THINKING SKILLS to solve real life problems
- COLLABORATION to develop interpersonal skills
- CONCEPTUAL UNDERSTANDING to retain what is taught in the school, for life
- EXPOSURE to compete with students from any part of the world

जय भारत पब्लिक स्कूल खेड़ी गुज्जर छात्रों का बेहतर भविष्य बनाता, अभिभावक दिलाए प्रवेश

गन्नौर। जय भारत पब्लिक स्कूल खेड़ी गुज्जर छात्रों का बेहतर भविष्य बनाता, अभिभावक अपने बच्चों को प्रवेश दिलाए। पिछल्ले कई सालों से बेहतर परिणाम लाकर परीक्षा परिणाम बेहतर रहते हुए अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। स्कूल के प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह पहल ने बताया कि बेहतर परीक्षा परिणाम आने पर कई बार देवा सोसाइटी द्वारा स्कूल के छात्रों को स्कूटी व अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया जा चुका है। संस्था के प्रधान रमेश खत्री ने बताया कि स्कूल की शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान है। स्कूल में शिक्षा के साथ विभिन्न खेलो पर बल दिया जाता है। जिस का परिणाम है कि स्कूल के साथ खेलो में नाम रौशन कर रहे है। प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह पहल ने अभिभावक से अपील की है कि वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए संत विवेकानन्द स्कूल में प्रवेश दिलाकर उज्जवल भविष्य बनाए। पहल ने बताया कि संस्था का पूरा प्रयास है कि स्कूल के छात्र बेहतर शिक्षा के साथ खेलो में मुकाम हासिल करे। इसी लक्ष्य को लेकर स्कूल के प्रधानाचार्य के नेतृत्व में शिक्षक मेहनत करवाते है। स्कूल में स्कूल में लाईब्रेरी, साईस लैंब, बच्चों के आवागमन के लिए बस सुविधा, रेगुलर मेडीकल जांच कैम्प, खेलो के लिए मैदान के साथ कोच की व्यवस्था की गई है। अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए जय भारत स्कूल में प्रवेश दिलाए और अपने बच्चों का भविष्य बेहतर बनाए।

JAI BHARAT PUBLIC SCHOOL
KHERI GUJJAR (SONIPAT)
PP1 (Nursery) to XIIth

President:- Ramesh Khatri M. 9215565939
Principal:- Devender Singh Pahal M. 9812621075, 9306572485

P.S. PUBLIC SCHOOL
Ganaur Road, Bhurri (Sonipat)
Affiliated to CBSE
Co-Ed. English Medium School

ADMISSION OPEN For New Session
Pre Nursery to IX & XIth
MEDICAL, NON MEDICAL, COMMERCE & ART

- Excellent Teaching Faculty :-
- Modern,Well Equipped Physics, Chemistry, Biology,Computer,Maths, Language Labs
- Interactive & Engaging Learning Activities
- Multimedia,Digital Classroom
- Modern Library School
- 1:20 Teacher Student Ratio
- Safe School Transporation
- Monthly Parent Meeting
- CCTV Survillance

E-mail :- psbhurri@gmail.com | Website : www.pspublicschool
Cont.: 94162-93661, 99962-42451

पी एस पब्लिक स्कूल भूर्री गुणवता युक्त शिक्षा प्रदान करने वाली अग्रणी संस्था

गन्नौर। गन्नौर- सोनीपत मार्ग पर भूर्री गांव के पास स्थित पी.एस. पब्लिक स्कूल अपनी गुणवतायुक्त शिक्षा के लिए जाना माना नाम है। विद्यार्थी यहां पर स्वयं कार्य करके विभिन्न शैक्षणिक कौशलो विद्यालय का समस्त स्टाफ कर्तव्य प्रायणता का सजीव प्रतिबिम्ब है ताकि छात्र उनका अनुसरण करके जीवन में व्यवहारिक मूल्यों का विकास कर सके। स्कूल की प्रत्यक गतिविधि छात्रों द्वारा स्वयं संचालित की जाती है ताकि वे व्यवहारिक जीवन में इन कौशलों का प्रयोग कर सके। शिक्षक इन सभी गतिविधियों के संचालन में मार्गदर्शक की भूमिका में हमेशा इनके साथ रहते है। विद्यालय प्रधानाचार्य नवीन कुमार, निदेशक संजीव कुमार अपने शैक्षणिक अनुभवो से विद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ उचित सामजस्य बनाए रखते हुए प्रत्यक गतिविधि का सत्त मूल्यांकन करते रहे है ताकि उपयुक्त फीड बैक, उचित समय पर छात्रों तथा शिक्षकों को दिया जा सके। विद्यालय में बाल वाटिका से लेकर कक्षा बाहरवीं तक विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय की शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों में सभी प्रकार की आधुनिक सुविधाएं, प्रयोगशालाए, खेल गतिविधि, पाठ्य सहायक क्रियाएं, पूरे प्रांगण में सीसीटीवी, छात्रों का भ्रमण आदि समयबद्ध आयोजन किया जाता है। विद्यालय निदेशक संजीव कुमार के अनुसार अभिभावक अपने बच्चों के सवार्गीण विकासएवं उज्जवल भविष्य के लिए अपने बच्चों का वर्तमान हमारे योग्य शिक्षकों को सौंपते है और भविष्य की विभिन्न परिस्थितियों के हल के लिए निश्चित हो जाते है। स्कूल का परीक्षा परिणाम हर साल परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहता है। अत राष्ट्र के विकास के लिए बच्चों के बहुमूल्य संसाधन बनाने के लिए अपने बच्चों का वर्तमान विद्यालय को लाभ ले। अपने बच्चों को प्रवेश दिलाए, बेहतर भविष्य बनाए।

SANSKAR BHARTI VIDYAPEETH, KAMI
An English Medium Co-Educational Sr. Sec. School
School Code: 26499 | Affiliation Code: 18013
P.P. 1 to 12th
HUMANITIES, COMMERCE MEDICAL & NON -MEDICAL
ADMISSION OPEN FOR 2025-26

OUR MOTTO "BRIGHT FUTURE"
17 Years of Excellence
Your Kids Deserve The Best Education
- Best Education Plan in Area
- Most Safe Transport Facility.
- 100% Board Results
- Scholarship For Meritorious Students

Our Benefits
- Smart Classes
- Loving Atmosphere
- Highly qualified faculty
- Big and green playground
- Affordable fee structure
- English Speaking Classes
- 24x7 CCTV surveillance
- Dance and music classes
- 24 x 7 Power backup & RO water

Only Fees
Kami To Kurar Road, Kami, Distt. Sonipat-131001
Get more info : 9466589374, 9050934769, 8397021416
Follow us : SBVP KAMI | sbvpkamisnp@gmail.com

संस्कार भारती स्कूल कामी उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को करता है साकार

गन्नौर। कामी गांव में कुराड़ रोड पर स्थित संस्कार भारती सीनियर सैकेंडरी स्कूल अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को साकार करता है। स्कूल में छात्रों को बेहतर शिक्षा दी जाती है। स्कूल के निदेशक समय सिंह ने बताया कि स्कूल में खेल मैदान विशाल है। योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक है। स्कूल यथानात तथों गुण की कसौटी पर खरा उतरते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आयाम कायम कर रहा है। आत्म विश्वास व अनुशासन की भावना को विकसित कर रहा है। स्कूल में प्लेवे पद्धति से बच्चों का चहुंमुखी विकास करवाया जाता है। समय समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। विद्यालय का मूल मंत्र छात्रों को नैतिक मूल्यों की गुणवता युक्त शिक्षा देने के लिए समान अवसर प्रदान करना है। स्कूल में छात्रों के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है। शुद्ध पेयजल के लिए आर ओ की सुविधा, स्वच्छ वातावरण, सुन्दर प्रांगण, प्रत्यक कक्षा में सीसीटीवी कैमरे, कम्प्यूटर लैब, पुस्तकालय व परिवहन की सुविधा है। विद्यालय का हरियाली युक्त खुला शांत वातावरण सवार्गीण विकास में सहायक है। खेल- खेल में शिक्षा दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्र का बेहतर स्कूल है। निदेशक समय सिंह ने अभिभावकों से स्कूल में प्रवेश दिलाने की अपील की। बेहतर शांत वातावरण में स्कूल है।

एच के सीनियर सैकेंडरी स्कूल कुराड़- इब्राहिमपुर में बेहतर भविष्य के लिए दिलाए प्रवेश

गन्नौर। एच के सीनियर सैकेंडरी स्कूल कुराड़- इब्राहिमपुर में बेहतर भविष्य के लिए दिलाए प्रवेश, स्कूल कई वर्षो से बेहतर शिक्षा दे रहा है। जानकारी देते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य कुलदीप आंतिल ने बताया कि स्कूल नए कीर्तिमान के साथ आगे बढ़ रहा है। नए सत्र में प्रवेश के लिए दाखिले खुले है। अभिभावकों से आग्रह है कि वे अपने बच्चों को प्रवेश दिलाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाएं। मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाकर उनके भविष्य को सवारना है। बाहरवीं कक्षा में विज्ञान, कामर्स व आर्ट तीनों संकाय है। प्रधानाचार्य कुलदीप आंतिल ने बताया कि उच्च, शिक्षित व समर्पित स्टाफ, समय- समय पर योग कैम्प व मेडीकल जांच, शैक्षणिक भ्रमण, खेलो के लिए कोच की व्यवस्था, तकनीकी आधार पर शिक्षा, आरओ युक्त पानी आदि सुविधा बच्चों को दी जा रही है। कुलदीप आंतिल ने बताया कि हवादार कमरे, खेलने का मैदान, खुला स्वस्थ वातावरण, निशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा बच्चों को दी जा रही है। बोर्ड कक्षाओं का शानदार परीक्षा परिणाम स्कूल की पहचान है। गर्मी के मौसम में जनरेटर, ठंडा पानी व बच्चों की जरूरत अनुसार सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। बच्चों को स्कूल लेकर आने के लिए छोटे वाहन से बड़े वाहन की भी व्यवस्था है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा डैस्क- बैंच, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। अभिभावकों अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए स्कूल में प्रवेश दिलाए।

H.K. Sr. Sec. School
Kurar - Ibrahimpur (Sonipat)

- Qualified experienced, trained and dedicated teaching staff.
- Attractive, Airy School Building with lush Green Park.
- To organise Educational trips, Sports and cultural activities.
- Pollution free, peaceful learning environment.
- Library & Science Lad Facilities available.
- Affordable Fee Structure.
- Transport & Day Boarding Facility available.
- Computer Laboratory to develop child's memory observation and logical thinking.

समाज कल्याण स्कूल बजाना कला शिक्षा के साथ खेलो का अनुठा केन्द्र

गन्नौर। समाज कल्याण स्कूल बजाना कला का हर वर्ष परीक्षा परिणाम बेहतर रहता है। स्कूल प्रशासन ने बच्चों पर हर समय कड़ी नजर रखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ बसो में जीपीएस व कैमरे की व्यवस्था स्कूल प्रबंधक द्वारा करवा दी गई है। ताकि स्कूल की हर गतिविधि पर हर समय नजर रखी जा सके। स्कूल की निदेशक अनीता कादियान ने बताया कि बच्चों के स्कूल आने जाने के लिए बस की व्यवस्था की गई है। स्कूल में छटी कक्षा से भी साईस प्रयोग करवाए जाते है। अनुभवी व शिक्षित शिक्षक, बच्चों को योग की शिक्षा व अंग्रेजी में निपुण करने के लिए कक्षाएं भी लगाई जाती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यहा पर कम फीस में उत्तम शिक्षा दी जाती है। प्रधानाचार्य अनिता कादियान ने बताया कि स्कूल बच्चों में अच्छे चरित्र, ईमानदारी व मेहनत के मूल्य को जागृत करने के साथ अच्छे संस्कार दिए जाते है। उन्हें प्रभु भक्त, देश प्रेमी व राष्ट्र निमार्ता बनने की प्रेरणा दी जाती है। हर महीने मेडीकल चैकअप की व्यवस्था की गई है। बच्चों के लिए स्कूल आने जाने के लिए छोटे वाहन से बस तक की व्यवस्था की गई है। योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक के साथ पहली से आठवीं कक्षा तक कम्प्यूटर शिक्षा अनिवार्य की गई है। स्कूल शिक्षा के साथ खेलो में भी अपनी पहचान बना रहा है। यहां के छात्र शिक्षा प्राप्त कर उच्च विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यालय में पाठ्यचर्या, कौशल विकास के लिए समर्पित विद्यालय है। निदेशक संजीव ने बताया कि स्कूल को लक्ष्य छात्रों को बेहतर शिक्षा देने के साथ उनका उज्जवल भविष्य करना है। इसी सोच का परिणाम है कि स्कूल ने ग्रामीण क्षेत्र में अपनी पहचान कायम की है।

SAMAJ KALYAN SR. SEC. SCHOOL
For Class Nursery to 12th (Affiliated to H.B.S.E.)
VILL. : BAJANA KALAN (SONIPAT)
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
For Class Nursery to 12th

DIRECTOR
SMT. ANITA KUMARI
W/O SH. BIJENDER SINGH

Sports Facilities :-
Kabaddi, Wrestling, Basket Ball, Volley Ball, Kho-Kho etc

Principal
Smt. Manisha

Helpline : 9812163824, 9416538397
E-mail : samajkalyan081@gmail.com | Website : www.sksss.in

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 20 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

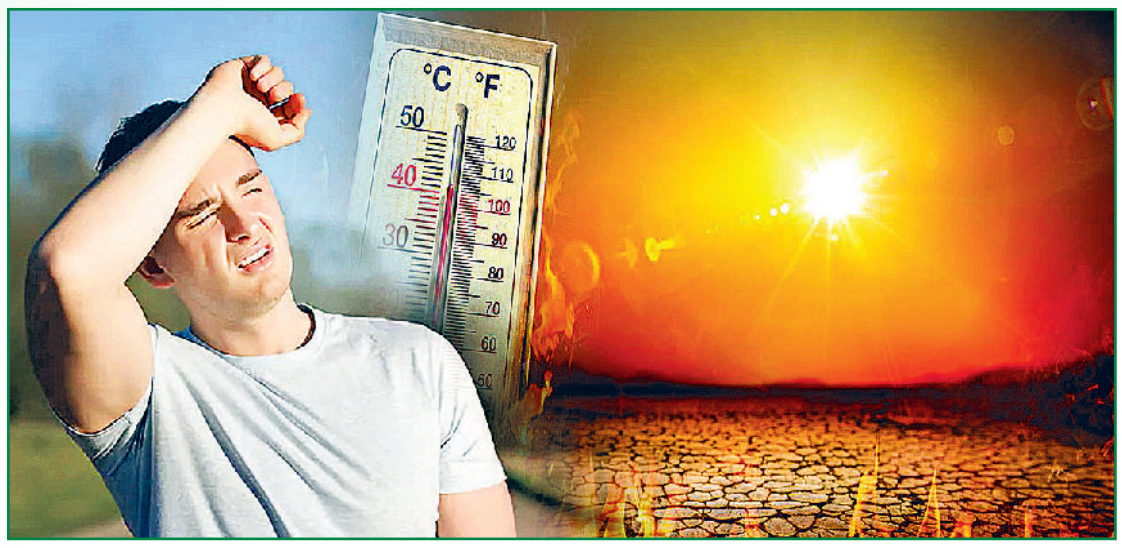

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

'का का, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निभाई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और संस्कृतिकर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य पर गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अकसर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गई नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है।' *

पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ कंबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अकसर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *

पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *

स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए- खुशहाल, मुफ्त और स्वैच्छिक।' छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गाड़ियां कक्षाओं

से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अकसर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खुद पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती है। *

नैनोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैनोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजेदार कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेंप्लेट एक्सेस करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

पुस्तक प्रेमियों की सबसे पसंदीदा जगह होती है, पुस्तकालय, जहां जाकर वे मनचाही किताबें पढ़ते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी लाइब्रेरी के बारे में बता रहे हैं, जो अपने पाठकों तक खुद पहुंचती है। जानिए, उत्तराखंड की अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी के बारे में।

दूर-दराज तक किताबें पहुंचाती घोड़ा लाइब्रेरी

अनोखी पहल
डॉ. दीपक कोहली

घोड़ा लाइब्रेरी से अपनी मनपसंद किताबें चुनते युवा पाठक

लाइब्रेरी, यानी पुस्तकालय। एक ऐसी जगह, जहां ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन आदि अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों को सहेजकर रखा जाता है। वैसे तो दुनिया में एक से बढ़कर एक पुस्तकालय हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चलते-फिरते पुस्तकालय के बारे में बता रहे हैं, जो अपने अनूठेपन के कारण पुस्तक प्रेमियों के बीच बहुत चर्चित है।

कहां है घोड़ा लाइब्रेरीः उत्तराखंड के नैनीताल की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अपने अनूठे शिक्षा अभियान विस्तार कार्यक्रम के लिए लोगों के बीच चर्चित हो रही है। वैसे तो यह मुख्य रूप से बच्चों के लिए शुरू की गई लाइब्रेरी है, लेकिन अपने अनोखेपन के कारण बड़ों के बीच भी कौतुक का विषय बना हुआ है। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इस लाइब्रेरी का लाभ उठाते हैं।

ऐसे नाम पड़ाः इस पुस्तकालय का नाम घोड़ा लाइब्रेरी इसलिए पड़ा क्योंकि एक घोड़ा अपनी पीठ पर किताबों की गठरी लेकर नैनीताल के कई गांवों में घूमता रहता है। घोड़ों के जरिए सड़क से दूर बसे दुर्गम गांवों के बच्चों के लिए किताबें पहुंचाई जा रही हैं। इनमें कोर्स की किताबों के साथ मनोरंजक और ज्ञानवर्धक साहित्य एवं पत्रिकाएं भी शामिल होती हैं।

ऐसे हुई शुरुआतः उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में दूरदराज के हिस्सों में, जहां सामान्य जीवन की जरूरतों को पूरा करना कठिन है। ऐसे में स्कूली छात्रों को उनकी जरूरत की किताबें मुहैया कराना बेहद मुश्किल होता है। साथ ही पत्रिकाएं और साहित्य पढ़ने में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी पत्र-पत्रिकाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों और बड़ों तक कोर्स की किताबों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की किताबें और पत्र-पत्रिकाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निवासी शुभम बधानी के दिमाग में इस अनोखी लाइब्रेरी को शुरू करने का आइडिया आया। बधानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के तहत पहले उन गांवों को चुना गया, जो मुख्य सड़क से दूर स्थित हैं। जहां पहुंचने के लिए पहाड़ी नालों और झरनों को पैदल पार करना पड़ता है। तय किया गया कि इन गांवों में घोड़ों पर रखकर किताबें पहुंचाई जाएं।

कैसे काम करती है लाइब्रेरीः इस लाइब्रेरी के संचालन के बारे में शुभम बधानी बताते हैं कि वे गांव के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ बच्चों से मिलकर पहले उनकी रुचि समझते हैं और उसी के अनुसार किताबें लेकर आते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी का घोड़ा कई गांवों में उन लोगों के लिए रुकता है, जो पढ़ने के इच्छुक हैं। साप्ताहिक ट्रिप के माध्यम से एक ट्रिप में बच्चों को किताबें भेजी जाती हैं और अगले ट्रिप में दी गई किताबें वापस ले ली जाती हैं और नई किताबें उन्हें उपलब्ध कराई जाती हैं।

सुदूरवर्ती गांवों तक है पहुंचः आज उत्तराखंड के नैनीताल में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस लाइब्रेरी का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। हर वर्ग के छात्र और उनके अभिभावक भी इस अद्वितीय पोर्टेबल लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। गांवों में बच्चों को अब पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री मिलने लगी हैं।

मिसाल है यह प्रयासः शहरी क्षेत्रों की बात करें, तो वहां लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए तमाम साधन उपलब्ध होते हैं, जैसे- टीवी, विशाल पुस्तकालय, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि। इनके माध्यम से शहरी निवासियों को तमाम जानकारी आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों और बड़ों के लिए इन सुविधाओं की उपलब्धता मुश्किल है। अभी भी सैकड़ों दूर-दराज के गांव ऐसे हैं, जो इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं। अभी भी लाखों बच्चे हैं, जो बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव के लोगों के हाथ में अच्छी किताबों का आना, किताबें पढ़ने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार और पढ़ने की आदत विकसित करने की दिशा में शुभम बधानी की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। बच्चों के माता-पिता और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी की वजह से यह अभियान दिनों-दिन सफल हो रहा है। *

सक्सेस मंत्रा
अंजू जैन

दुनिया के सफलतम लोगों की जीवनयात्रा पर निगाह डालें तो पाएंगे कि उन सभी में अपने काम के प्रति भरपूर प्यार रहा है। सफलता पाने के लिए लगन और समर्पण कितना मायने रखता है, आप जरूर जानना चाहेंगे।

काम से करें प्यार तो सफलता मिले अपार

कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तन्मयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थे। इन्होंने अपने जीवन में अभूतपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जूझे हैं। कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता

या काम में मेरा मन नहीं लगता। जानते हैं क्यों? क्योंकि इन्होंने अपने काम से जी भर कर प्यार किया, उसे ही अपना सब कुछ समझा और हमेशा धैर्य बनाए रखा। इसलिए आज सफल और महान लोगों की सूची में इनका नाम है। हाल ही अंतरिक्ष में करीब 9 महीने तक विषम परिस्थितियों में रहकर लौटी सुनीता विलियम्स ने कहा है, 'अगर आप मन लगाएं, दृढ़ संकल्प रखें और कोई रास्ता खोजें तो आप जो करना चाहें कर सकते हैं। आप कभी खुद को किसी चीज में जकड़ा हुआ महसूस ना करें। कुछ ऐसा खोजें जो आपको पसंद है। जैसे ही वह मिल जाए, आप उसे पूरे मन से अच्छी तरह करें, बस यही महत्वपूर्ण है।'

सकारात्मक दृष्टिकोण है जरूरी

सफलता और सुकून सकारात्मकता से ही मिलते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति अगर सफलता के शिखर पर हैं और समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर पाते हैं तो यह कोई जादू नहीं है बल्कि सीधा सरल विज्ञान है। इसका संबंध हमारे मस्तिष्क की क्षमताओं और इमोशनल इंटेलिजेंस से है। यह नतीजा 30 वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरॉन्स की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टैगमैंटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी बनाता है। सकारात्मक लोगों के ब्रेन के सर्किट्स उन्हें नए विचारों के लिए खुला बनाते हैं। हमारा सामाजिक व्यवहार कैसा होगा से लेकर हम समस्याओं को कैसे सुलझाते हैं, यह सब ब्रेन सर्किट से ही तय होता है। अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता के लिए अधिक सक्षम बनाने के लिए निरंतर सकारात्मक दृष्टिकोण वाली भाषा का इस्तेमाल करना, चीजों के उजले पहलुओं को देखना और ऐसे सवाल पूछना जरूरी है, जो किसी भी परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ हल खोज कर उन्हें बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। किसी ने बिल्कुल सही कहा है, परिस्थिति से सोच नहीं बनती बल्कि सोच से परिस्थिति बनती है।

मेहनत के साथ समर्पण जरूरी

जिन लोगों ने इस दुनिया में सफलता, नाम, दौलत और शोहरत पाई है, उन्होंने अपने काम को जी-जान से चाहा है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान हों या अल्बर्ट आइंस्टीन, रतन टाटा हों या स्टीव जॉब्स, ये सभी अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पित थे। ये सभी अपने काम को जुनून की हद तक चाहते थे। आपको यह मान कर चलना चाहिए कि आपकी प्रतिभा और आपका जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। परफेक्शन और अच्छा नतीजा निरंतर एक्शन और समर्पण से ही आता है। अपना काम कीजिए और बाकी ईश्वर पर छोड़ दीजिए। यही महान धर्म ग्रंथ 'गीता' में भी कहा गया है। *

बड़ा पर्दा
हेमंत पाल

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में

आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाग' का भक्ति गीत

दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

भगवान की भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अकसर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है।

शुरुआती दौर से जारी है सिलसिलाः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों ने ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है।

भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां': धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म एवं इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पूजने लगे थे।

'सुहाग' का यादगार भक्ति गीतः 1979 में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाग' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है।

लंबी है फेहरिस्तः शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की

बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस भजन को मोहम्मद रफी ने गाया था। जन्माष्टमी के अवसर पर अभी भी ये गीत गूंजता है। उससे पहले 1952 में आई फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत मोहम्मद रफी की हिंदू भजनों के प्रति लगाव का सबसे बेहतर प्रमाण कहा जा सकता है। 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दर्द भरे मेरे नाले' के बोल आज भी किसी दुखी व्यक्ति का चेहरा सामने ले आते हैं। शकील बदायूंनी के लिखे इस गीत में नौशाद ने संगीत दिया था। 1954 में आई फिल्म 'तुलसीदास' के गीत 'मुझे अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है।

ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *